

---

# Sankalpa Paddhatih

सङ्कल्पपद्धतिः

## Document Information

---

Text title : Sankalpapaddhatih

File name : sankalpapaddhatiH.itx

Category : vishhnu, vAdirAja, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : vAdirAjayati

Proofread by : Sripriya, Revathy R.

Latest update : April 27, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 8, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Sankalpa Paddhatih

---

### सङ्कल्पपद्धतिः

---



विष्णुवादेशे वर्तमानवेधसश्चरमार्धके ।  
आयुषः कल्पके चैव सिताङ्गस्य डिटेस्तथा ॥ १ ॥

मनोश्च सूर्यपुत्रस्य सन्धौ पादे कलेस्तथा ।  
आद्ये वर्षे मङ्गापुत्रेण भरतस्य मङ्गीपतेः ॥ २ ॥

जम्बुद्वीपे वत्सरे च वर्तमाने तथाऽयने ।  
कृतौ मासे च पक्षे च तिथौ वारे च भे तथा ॥ ३ ॥

करणादियुते पुत्रेण कालेऽस्मिन्प्रीतये हरेः ।  
द्वैवर्षिपितृभ्यर्थं पापानां च निवृत्तये ॥ ४ ॥

अस्मिन्जलाशये विष्णोः पादपद्मं विचिन्तयन् ।  
गङ्गां स्मरन्नडं स्नानं करिष्ये स्मृतिथोदितम् ॥ ५ ॥

अधौघविध्वंसकरस्य विष्णोस्तोषाय तेन प्रछितोऽहमस्मिन् ।  
जले स्मरन्देवनदीं करोमि स्नानं स गोविन्दपदाभिधानम् ॥ ६ ॥

एति श्रीमद्भादिराजपूज्यथराजविरचिता सङ्कल्पपद्धतिः सम्पूर्णा ।  
भारतीरमणमुष्यप्राणान्तर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ।

Proofread by Sripriya

---

---

Sankalpa Paddhatih  
pdf was typeset on June 8, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

